श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

सूर्य ग्रहण साधनायें -26/12/2019

1) शत्रु स्तम्भन प्रयोग :

शत्रु के स्तम्भित या उनको मिटा देने हेतु यह प्रयोग किया जाता है | हमरी दरिद्रता,पीडा,रोग,दुर्बुद्धि भी शत्रु माने गये है |

मंत्र: || ॐ ह्लीं बगलामुखि सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिव्हां कीलय बुद्धिं विनाशय ह्लीं ॐ स्वाहा ||

विधान:- गुरु पूजन एवं गुरु मंत्र जप कर,साधक या सधीका पीले वस्त्र धारण कर उत्तर दिशा की ओर मुख कर बैठ जाय | सामने बाजोट पर,पीले वस्त्र पर यंत्र स्थापित कर उसकी पूजन सिंदूर से करे | बेसन के लड्डू का भोग लगाकर मंत्र जप करे, 3 माला जप हकीक माला से करे | साधना के उपरांत लड्डू गाय को खिला दे या जल मे विसर्जित करे| यंत्र एवं माला घर मे मुख्य द्वार पर 21 दिन बांध कर रखे और बाद मे विसर्जित कर दे |

सामग्री: बगलामुखी यंत्र,हकीक माला |

जप संख्या :- 3 माला

****

2) अप्सरा साधना :

यह साधना निम्न- लिखित कार्य हेतु कीया जाता है

* अप्सरा आकर्षण

* रोग निवारण

* लड़की के / अपने विवाह हेतु

* धन,स्वर्ण,धन प्राप्ति(आकस्मिक) हेतु

मंत्र: || ॐ ह्रीं अप्सरायै आकर्षय आकर्षय इच्छित कार्य सिद्धि करी करी स्वाहा ||

विधान:- साधक या साधिकाये , पिले वस्त्र धारण कर,अप्सरा यंत्र की पुजा करे और अप्सरा माला से ऊपर लिखे मंत्र की 11 माला जप करे | साधना से पूर्व गुरु-पूजन और गुरु मंत्र जप अवश्य करे | यंत्र पूजन मे ईत्र का प्रयोग और सुगन्धित पुष्प समर्पित करे | साधना के उपरान्त यंत्र एवं माला जल मे विसर्जित करे या जंगल मे किसी बड़े वृक्ष के नीचे रख दे |

सामाग्री: अप्सरा यंत्र,अप्सरा माला

जप संख्या :- 11 माला

****

3) भैरव साधना:-

यह साधना निम्न- लिखित कार्य हेतु कीया जाता है

* भैरव एवं शिव कृपा हेतु

* अत्मविश्वास मे वृद्धि हेतु

* रक्षा प्राप्ति के लिये

* पाप नाश के लिये

मंत्र: || ॐ भं भैरवाय शिव रुपाय रक्षा कराय मम सर्वारिष्टि निवृत्ताय ,भीषणाय स्वाहा ||

विधान:- साधक या साधिकाये,लाल वस्त्र पहन कर,दक्षिण दिशा की ओर मुख कर,तेल का दीपक जला ले | सिंदूर से यंत्र की पूजन कर स्वयं को तिलक करे | फिर भैरव माला से 11 माला मंत्र जप करे| हो सके तो साधाना काल मे लोबान का धूप जला ले | माला 21 दिन गले मे धारण करे,यंत्र पूजा स्थान मे रखे |

सामाग्री:भैरव यंत्र,रुद्राक्ष माला

जप संख्या :- 11 माला

****

4) मुक़द्दमें से छुटकारा, शत्रुनाश एवं शत्रु-पीडा निवारण हेतु:

मंत्र: || ॐ क्लीं मम “अमुक” शत्रुणां उच्चाटय उच्चाटय मारय मारय कीलय कीलय क्लीं फट् ||

विधान:- साधक या साधिकाये ,काले तिल के डेरी पर यंत्र को स्थापित करे | सिंदूर ,काजल एवं लाल पुष्प से पूजन कर,तेल का दीपक जला ले | संकल्प कर मन इच्छा बोल ले और 7 माला मंत्र जप करे साधना के उपरान्त, समस्त सामाग्री विसर्जित कर दे,और बाद मे नहा ले |

जप संख्या :- 7 माला

****